Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-CT-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023

एम.ए. दर्शन, द्वितीय सत्र

वैदिकेतर दर्शन-2

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 x15 =45)

1. ग्रीक दर्शन के विषय में विस्तार से वर्णन करते हुए प्राचीन पाश्चात्य दर्शन में इसके महत्व को रेखांकित करें।

2. सुकरात की जीवनी एवं दार्शनिक के रूप में उसके कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालें।

3. प्लेटो का परिचय देते हुए ईश्वरीय विचार और सृष्टि विज्ञान पर प्रकाश डालें।

4. कन्फयूशियस के दार्शनिक चिन्तन में मानवतावाद और ईश्वर की अवधारणा पर लघु निबन्ध लिखें।

5. पाश्चात्य दर्शन में बुद्धिवाद पर प्रकाश डालें तथा उनके महत्वपूर्ण विचारों पर प्रकाश डालें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. सोफिस्टवादी विचारधारा पर अपने विचार लिखें।

7. प्राचीन ग्रीक दर्शन के प्रमुख विचारकों के नाम एवं विचार लिखें।

8. अनुभववादी पाश्चात्य विचारधारा के दार्शनिकों के नाम एवं प्रमुख विचार प्रस्तुत करें।

9. अरस्तु की तत्व मीमांसा के विषय में वर्णन करें।

10. हेराल के प्रमुख विचार प्रस्तुत करें।

11. लाक, वर्कले और ह्यूम का दर्शन किस प्रकार से अन्य दर्शन धारा से भिन्न है।

12. लाइबनित्ज के विचारों पर टिप्पणी करे।

----------X----------